Year Plan period, was brought to their notice. The question of meeting such demands, if they arise, can be considered only during the Fourth Plan period.

†[सिंचाई तथा विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ओ० वी० अलगेसन): (क) जी, नहीं ।

(ख) दिल्ली यूनियन टेरीटरी के सम्बन्ध में सेंट्रल वाटर एण्ड पावर कमीशन द्वारा किये गये भार सर्वेक्षण (लोड सर्वे) के दौरान तृतीय पंचवर्षीय योजना में ईंट के भट्टों की कोई भी मांग उन के नोटिस में नहीं लाई गई । इस प्रकार की मांगों, यदि उठें, की पूर्ति के प्रश्न पर केवल चौथी योजना की अवधि मे विचार किया जा सकता है ।]

श्री राम सहाय : क्या मैं यह जान सकूंगा कि इस बात की कोई जांच की गई है कि पावर से पकाई हुई ईंट में और साधारणतः जो ईंट पकाई जाती है, उन दोनों के कास्ट में क्या अन्तर आता है ?

SHRI O. V. AL AGES AN: I am not able to say. He wants to know the difference in costs when bricks are made by electricity and otherwise, by burning coal, I suppose. I am not able to say.

श्री राम सहाय : क्या इस प्रकार के पावर के कोई भट्टे भारतवर्ष में कहीं चल रहे हैं ? क्या ऐसा आपको इल्म है ?

SHRI O. V. ALAGESAN: Yes, that would be.

SHRI B. K. GAIKWAD: May I know, Sir, the number of brick kilns in Delhi and how much electricity will be required for their consumption?

SHRI O. V. ALAGESAN: I have said already that we were not apprise of the power that would be required by this particular industry. If it is brought to our notice, it can be arranged in the Fourth Plan. That was my written reply also.

t[ ] Hindi translation.

वर्षा की कमी के कारण अन्नोत्पादन पर प्रभाव

*९५०. श्री कृष्ण चन्द्र : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या इस सम्बन्ध में कोई हिसाब लगाया गया है कि इस वर्ष वर्षा की कमी के कारण देश में अन्नोत्पादन पर क्या-क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ?

t [EFFECT OF SCARCITY OF RAINS ON PRODUCTION OF FOODGRAINS

•950. SHRI KRISHNA CHANDRA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state whether any calculations have been made in regard to the likely effects of scarcity of rains this year on the production of foodgrains in the country?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : एक विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

उत्तर-पूर्वी भारत, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और मद्रास राज्य को छोड़ कर देश के अधिकांश भागों में जून के दो तीन सप्ताह में वर्षा की कमी अनुभव की गई । इससे प्रभावित क्षेत्रों में खरीफ की बुवाई में कुछ देरी हुई और साथ ही महाराष्ट्र, मैसूर और केरल के कुछ भागों में पहली बोई हुई फसलों को क्षति पहुंची । परन्तु जुलाई की वर्षा मामूली किस्म की थी और उससे विस्तृत बुवाई के कार्य में सहायता मिली । इस वर्षा से उन फसलों को भी लाभ पहुंचा, जिनको पहली वर्षा की कमी

†[ ]English translation.

के कारण क्षति पहुंची थी। वर्षा की कमी के कारण देश मे इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन पर यदि कोई प्रभाव पड़ा तो वह प्रभाव कितना होगा, इसका पहले ही अनुमान लगाना संभव नहीं है।

UTHE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAM SUBHAG SINGH): A statement is placed on the Table of the Sabha.

STATEMENT

Scarcity of rains was experienced for two to three weeks during June over most parts of the country excluding north east India, coastal Andhra Pradesh, Rayalaseema and Madras State. This delayed the kharif sowings to some extent in the affected areas and also adversely affected the early sown crops in parts of Maharashtra, Mysore and Kerala. The rains received in July were, however, generally normal and helpful to extensive sowings. They also proved beneficial to the crops earlier affected by the scarcity of rains. It is not possible to estimate in advance, the quantitative effect if any, of the scarcity of rains this year on the production of foodgrains in the country.]

श्री कृष्ण चन्द्र : क्या मैं माननीय मंत्री जी से यह जान सकूंगा कि कोई अनुमान इस बात का लगाया गया है कि अगली जो खरीफ की फसल आने वाली है उसमें उत्पादन कितना हो सकेगा यानी हमारे यहां चावल का, दालों का और बाजरा वगैरह का उत्पादन कितना हो सकेगा ?

श्री राम सुभग सिंह : असल में खरीफ की फसल में तो मकई, ज्वार, बाजरा है और मूंग की दाल भी उसमें आ जाती है लेकिन इस का अनुमान अभी नहीं लगाया जा सका है कि इनका उत्पादन कितना होगा।

†[ ]English translation.

668 RS—2.

श्री कृष्ण चन्द्र : क्या मैं यह जान सकता हूं कि जब पिछली फसल इतनी अच्छी हुई है तो आजकल जो अन्न की कीमत बढ़ रही है उसका क्या कारण है ?

श्री राम सुभग सिंह : असल में कीमत का सवाल तो इस प्रश्न से उठता नहीं लेकिन किसानों ने जो पैदा किया उसका इस पर सीधा प्रभाव नहीं है क्योंकि उनके हाथ से रबी वाली फसल तो चली गई है दूसरे लोगों के हाथ में।

شری اے - ایم - طارق : میں وزیر صاحب سے یہ جاننا چاهتا هوں کہ همارے یہاں جب کھیتی کھڑی هوتی هے یا فصل تیار هونے کو هوتی هے تب بارش نہ هونیکی وجہ سے وہ تباہ هو جاتی هے تو اس سلسلہ میں جو باهر کے ملکوں میں نقلی بارش جس کو آرتیفیشیل رین کہا جاتا هے، کا تجربہ کیا گیا هے اس کی ضرورت کیا حکومت هندوستان میں نہیں سمجھتی هے - اگر سمجھتی هے تو اس سلسلہ میں وہ کیا قدم اٹھا رهی هے -

†[**श्री ए० एम० तारिक** : मैं वजीर साहब से यह जानना चाहता हूं कि हमारे यहां जब खेती खड़ी होती है या फसल तैयार होने को होती है तब बारिश न होने की वजह से वह तबाह हो जाती है तो, इस सिलसिले में जो बाहर के मुल्कों में नकली बारिश, जिसको आर्टिफिशियल रेन कहा जाता है, का तजरबा किया गया है उसकी जरूरत क्या हकूमत हिन्दुस्तान में नहीं समझती है ? अगर समझती है तो इस सिलसिले में वह क्या कदम उठा रही है ?]

श्री राम सुभग सिंह : हकूमत तो उसकी कीमत बहुत ज्यादा समझती है और अगर प्रश्नकर्ता महोदय उसके बारे में अपना अनुभव

†[ ] Hindi transliteration.

बतायें कि किसी भी देश में नकली बारिश यहु। मुफीद साबित हुई है तो हम लोग उसको यथाशक्ति कार्यान्वित भी करेंगे लेकिन मेरी समझ से बड़े विकसित देशों में भी पूरी तरह उसमें अभी कामयाबी नहीं मिली है। यहां भी जब नैचुरल रिसोर्सेज एंड साइंटिफिक रिसर्च मिनिस्ट्री थी तब उस वक्त कुछ बादल से कृत्रिम वर्षा कराने की बात लोगों ने की थी लेकिन उसमें कोई खास सफलता लोगों को अब तक नहीं मिली है।

SHRI B.' K. GAIKWAD: Are the Government aware that in certain parts of Maharashtra there have been no rains? Scarcity works were started but they have been discontinued and now probably Rabi crops will not be there. May I know. Sir, what the Government is ghing to do in the matter?

SHRI RAM SUBHAG SINGH: It is true that certain areas of Maharashtra have been affected by this drought. We hope that the rains will be good in the coming weeks.

SHRI C. D. PANDE: The hon. Minister has said that since the Rabi crop was already there in the market it cannot be assumed that there is rise in the prices. Sir, the forecast of the present crop is generally available at this time of the year and the estimate of production. Why this year it is not in the hands of Government?

MR. CHAIRMAN: What is the question?

SHRI C. D. PANDE: Sir, the Government's statement that the estimate of production has no effect on the prices is not correct.

MR. CHAIRMAN: That is again a statement. What do you want to know actually?

SHRI C. D. PANDE: May I know, Sir, whether the Government holds that the estimate of production has no effect on the rise in prices?

SHRI S. K. PATIL: Sir, the estimate of production is no doubt of some value to speculators. The speculative market does make some distinction in prices. So far as the physical existence of stocks is concerned, we have enough stocks to rush anywhere in any part of India. And for that reason there should be no reason as to ■why there should be any rise in prices.

MR. CHAIRMAN: Next question.

भागलपुर-बरारी घाट सेक्शन पर बिना टिकट के यात्रा

*९५१. श्री महावीर दास : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान पटना के हिन्दी दैनिक "आर्यावर्त" के दिनांक ८ जून, १९६२ के कालम १ में "भागलपुर की चिट्ठी" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर आकर्षित किया गया है ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां, हो तो पूर्वोत्तर रेलवे के भागलपुर-बरारी घाट सेक्शन पर बिना टिकट के खुले आम यात्रा करने, टिकट वाले यात्रियों को बैठने की जगह न मिलने और गोदाम तथा इंजनों पर से कोयले की चोरी के सम्बन्ध में जांच करने के लिये क्या कोई कारंवाई की गई है ; और

• (ग) यदि हां, तो यह जांच कब व कैसे की गई और उसका क्या परिणाम निकला ?

TICKELESS TRAVEL ON BHAGALFURE BARARI GHAT SECTION

•951. SHRI MAHABIR DASS: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether attention of Government has been drawn to a news item published in column 1 of Hindi daily the "Aryavarta" of Patna dated the

t[]English translation.